"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ष : 16 अंक : 20 (प्रत्येक गुरुवार) मुम्बई, 30 मई से 05 जून, 2024 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रुपये

पुणे कार दुर्घटना में नाबालिग का ब्लड सैंपल बदलने के आरोप में दो डॉक्टर निलंबित, इस मामले में समिति का किया गया गठन

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को पुणे पोर्श कार दुर्घटना में शामिल नाबालिग के ब्लड सैंपल में हेरफेर के मामले में गिरफ्तार ससून अस्पताल के दो डाक्टरों को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही ससून सिविल अस्पताल के डीन डॉ विनायक काले को छुट्टी पर भेज दिया गया है और डा चंद्रकांत म्हस्के को अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया है। वहीं, सरकार ने किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों के आचरण की जांच करने के लिए एक समिति गठित की है। फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डा अजय तावड़े और ससून अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डा श्रीहरि हल्नोर को निलंबित करने का आदेश महाराष्ट्र चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त द्वारा दी गई सिफारिश पर दिया गया था।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने कहा कि राज्य सरकार को आरोपों की जांच के लिए नियुक्त तीन सदस्यीय समिति से एक रिपोर्ट मिली है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर दोनों डॉक्टरों को निलंबित किया गया है। डॉ चंद्रकांत म्हास्के पुणे जिले के बारामती स्थित पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी सरकारी मेडिकल कॉलेज के मौजूदा डीन हैं। गौरतलब है कि १९ मई की सुबह पुणे के कल्याणी नगर इलाके में १७ वर्षीय किशोर ने तेज रफ्तार पोर्श कार से मोटरसाइकिल सवार दो आइटी

इंजीनियर को टक्कर मार दी थी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस का कहना है कार चला रहा किशोर बिल्डर विशाल अग्रवाल का बेटा है, जो कि कार चलाते वक्त नशे में था। किशोर उस वक्त नशे में था या नहीं इसके लिए उसके ब्लड सैंपल एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए।

पुलिस ने दावा किया कि पुणे के ससून अस्पताल में किशोर के ब्लड सैंपल को फेंक कर और उसकी जगह किसी अन्य व्यक्ति के सैंपल रखे गए थे। इन सैंपलों में शराब का कोई निशान नहीं था। इसके लिए महाराष्ट्र चिकित्सा शिक्षा विभाग ने ग्रांट्स मेडिकल कालेज की डीन डा पल्लवी सापले की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था। राज्य महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त प्रशांत नारनवरे ने कहा कि हमने एक समिति गठित की है जो राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों के आचरण की जांच करेगी और यह देखेगी कि कार दुर्घटना मामले में आदेश जारी करते हुए नियमों का पूरी तरह पालन किया गया या नहीं। नारनवरे ने कहा कि मेरे पास राज्य सरकार द्वारा नियुक्त सदस्यों के आचरण की जांच करने के लिए किशोर न्याय अधिनियम के तहत शक्तियां हैं।

वहीं, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने दावा किया कि एक विधायक के बेटे समेत कुछ हाई प्रोफाइल लोगों ने पब में शराब पी और पोर्श कार में सवार थे। पटोले ने सवाल किया कि वह मंत्री कौन है जिसने थाने में फोन किया और वह विधायक कौन है, जिसका बेटा कार में मौजूद था? उन्होंने इस घटना पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से बयान की मांग की। पुणे पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि अभी तक घटना में विधायक सुनील टिंगरे का कोई संबंध सामने नहीं आया है, जिससे उनकी जांच हो।

मुंबई के पेंगुइन लेने के लिए देश का कोई चिड़ियाघर तैयार नहीं, सक्करबाग-जामनगर जू को भेजे जा चुके हैं कई प्रस्ताव

मुंबई। वीरमाता जीजाबाई भौंसले बोटेनिकल गार्ड एवं जू (बायकुला जू) प्राधिकरण ने देश के कई चिड़ियाघरों से संपर्क किया। इसके बावजूद कोई भी मुंबई के पेंगुइनों को लेने को तैयार नहीं है। इस बीच, जू प्राधिकरण सात एकड़ भूमि पर चिड़ियाघर का विस्तार करने की योजना बना रहा है। इसके लिए प्राधिकरण ३०० करोड़ रुपये की निविदाएं आमंत्रित करेगा। बायकुला जू के निदेशक डा. संजय त्रिपाठी ने बताया कि हम पहले ही सक्करबाग

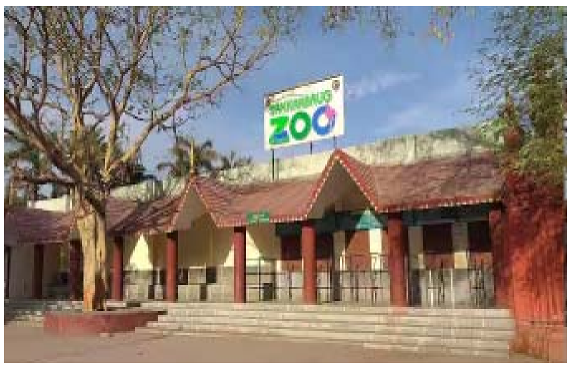

एवं जामनगर जू को पेंग्विनों को लेने के लिए प्रस्ताव भेज चुके हैं। हालांकि अब तक उनका कोई जवाब नहीं मिला। बायकुला जू में २०१७ में आठ पेंगुइन आए थे और अब १८ हैं। यहां पेंगुइनों के लिए १८०० वर्ग फुट का घेरा है। अक्टूबर २०२३ में ब्रह्ममुंबई नगर पालिका (बीएमसी) ने पेंगुइन को देने के लिए चिड़ियाघरों को एक प्रस्ताव भेजा था। हालांकि अब तक कोई तैयार नहीं हुआ। वहीं अब बीएमसी बायकुला जू के विस्तार पर काम कर रहा है। बीएमसी आसपास की तकरीबन सात एकड़ भूमि चिड़ियाघर में और शामिल करेगा। स भूमि में बीएमसी चिड़ियाघर को विकसित करेगा, जो दुनिया के अधिकांश महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करेगा। सलाहकार की नियुक्ति की जा चुकी है। इसके निर्माण में तीन साल लगेंगे और इसके बाद हम अधिकांश महाद्वीपों से जानवर लाना शुरू करेंगे। वर्तमान में बायकुला जू में ३८८ जानवर, पक्षी और सरीसृप है। इनमें बाघ, तेंदुआ, हाइना, मगरमच्छ और कई प्रकार के हिरण, बंदर भी शामिल हैं।

बेटियों और महिलाओं को घरों में कैद करने की साजिश कर रहा इंडी गठबंधनः मुख्यमंत्री

इंडी गठबंधन ने पहले गरीबों के हक पर डाका डाला, अब इनकी नजर ओबीसी के आरक्षण पर

मऊ/लखनऊ । इंडी गठबंधन से सावधान रहने की जरुरत है, क्योंकि ये कहते हैं कि सत्ता में आएंगे तो विरासत टैक्स लगाएंगे। इनका यह टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। करना चाहते हैं। यह बेटियों और महिलाओं को घर में कैद करने की साजिश कर रहे हैं, लेकिन इन्हें ये नहीं पता कि यह देश बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान से चलेगा। हम

ये कहते हैं कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे यानी यह देश में तालिबानी और शरिया कानून लागू देश में फिर से तीन तलाक की कुप्रथा को शुरू नहीं होने देंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्ष में दुनिया में देश और भारत के हर नागरिक का सम्मान बढ़ा है। ऐसे में पूरे देश में एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार ४०० पार का नारा गूंज रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मऊ की घोसी लोकसभा क्षेत्र के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी डॉ. अरविंद राजभर के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में १० वर्ष में देश की तकदीर बदली है। अब देश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। देश में चारों ओर विकास के बड़े-बड़े कार्य हो रहे हैं। इसके अलावा मोदी जी के नेतृत्व में गरीबों को उनका हक दिया जा रहा है। देश में ८० करोड़ गरीबों को फ्री में राशन की सुविधा दी जा रही है। ६० करोड़ गरीबों को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। १२ करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, १२ करोड़ घरों में शौचालय का निर्माण किया गया है। यह सब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन से हो पाया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ४ जून के बाद देश के ७० वर्ष से ऊपर के हर बुजुर्ग को प्रतिवर्ष ५ लाख रुपये का बीमा कवर दिया जाएगा। वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सोच नकारात्मक है। यह प्रभु श्री राम के साथ देश के भी विरोधी हैं। यह लोग दलितों और पिछड़ों के हक पर डकैती डालते हैं। अब इनकी नजर ओबीसी जाति के आरक्षण पर है। यह कहते हैं कि ओबीसी आरक्षण में सेंध लगाकर मुसलमानों को देंगे, लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। यह ओबीसी जाति के लोगों का अधिकार है और इस अधिकार को हम छीनने नहीं देंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि आरक्षण का आधार धर्म नहीं हो सकता। यह धर्म के आधार पर एक बार फिर देश को विभाजित करना चाहते हैं। जनता जनार्दन इनके मंसूबों को समझ गई है। यही वजह है कि वह इन लोगों से कहती है कि जो राम को लाएं हैं हम उनको लाएंगे। मुख्यमंत्री योगी ने घोसी लोकसभा सीट के मतदाताओं से अपील की है कि आपको भी ४०० पार मिशन में शामिल हो करके छड़ी को जिताना है। यही छड़ी बुजुर्गों का सहारा बनेगी।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री एके शर्मा, ओम प्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, सांसद आजमगढ़ दिनेश लाल यादव निरहुआ, विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह, विक्रांत सिंह, विधायक राम विलास चौहान, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय आदि उपस्थित थे।

HEARTY TRIBUTE TO RAJYOGINI SANTOSH DIDI

शिव बाबा की अति लाडली,बापदादा के नैनों की नूर, अपने तन, मन, धन जन गुणों सहित समर्पित प्यारे बाबा की सेवा में रात दिन आज्ञाकारी, वफादारी, ईमानदारी से सदा उपस्थित रहने वाली, हां जी का पाठ पक्का रखने वाली, सबके दिलों को जीतने वाली हमारी अति स्नेही, मीठी संतोष बहन जो ओरिजिनल दिल्ली पांडव भवन से निकलकर पटौदी में आकर सेवाओं में रही। आपने आज सवेरे अपने इस पुरानी देह का त्याग किया है।

कुछ समय से आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं था हार्ट की भी प्रॉब्लम थी और स्पिन की भी प्रॉब्लम थी। ऑपरेशन हुए थे। स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए ओ.आर.सी में थे। आज सवेरे अचानक कार्डिक अरेस्ट से अपने शरीर का त्याग किया और बाबा की गोद में समा गई।

ऐसी मीठी ज्ञान की देवी, पवित्रता की देवी जिसने एक आदर्श स्थापना किया बेहद बुद्धि, विशाल हृदय का उनकी अंतिष्टि साय काल पटौदी में ही की गई है और बहुत बड़ा परिवार उनका ज्ञान में चलता है। सभी उपस्थित थे, अलौकिक परिवार भी उपस्थिति था। ऐसी आत्मा को जो पिछले लगभग ६० वर्षो से समर्पित जीवन में थी।

उन्हें हम प्यार से विदाई देते हैं, उनकी यात्रा आगे बढ़ चुकी है। अपनी शुभ भावनाएं सारा दैवी परिवार प्रदान करता है। आपने प्यारे साकार बाबा के द्वारा पालन ली, दादियों के द्वारा पालन ली उसका सबूत आपने दिखाया। हम पुनः आपको बहुत प्यार से विदाई देते हुए आपके बनाए हुए आदर्शों को भाई-बहनें अवश्य पालन करते हुए अपनी अलौकिक जीवन यात्रा संपन्न करेंगे।

ससुराल में साली का
बाग़ में माली का
होंठो में लाली का
पुलिस में गाली का
मकान में नाली का
कान में बाली का
पूजा में थाली का
खुशी में ताली का ------
बड़ा महत्व है।

फलों में आम का
भगवान में राम का
मयखाने में जाम का
फैक्ट्री में काम का
सुर्ख़ियों में नाम का
बाज़ार में दाम का
मोहब्बत में शाम का --------
बड़ा महत्व है।

व्यापार में घाटा का
लड़ाई में चांटा का
रईसों में टाटा का
जूतों में बाटा का
रसोई में आटा का ---
बड़ा महत्व है।

फ़िल्म में गाने का
झगड़े में थाने का
प्यार में पाने का
अंधों में काने का
परिंदों में दाने का -----
बड़ा महत्व है।

ज़िंदगी में मोहब्बत का
परिवार में इज्ज़त का
तरक्की में किसमत का
दीवानो में हसरत का -------
बड़ा महत्व है।

पंछियों में बसेरे का
दुनिया में सवेरे का
डगर में उजेरे का
शादी में फेरे का ------
बड़ा महत्व है।

खेलों में क्रिकेट का
विमानों में जेट का
शरीर में पेट का
दूरसंचार में नेट का -----
बड़ा महत्व है।

मौजों में किनारों का
गुर्वतों में सहारों का
दुनिया में नज़ारों का
प्यार में इशारों का ------
बड़ा महत्व है।

खेत में फसल का
तालाब में कमल का
उधार में असल का
परीक्षा में नकल का। -----
बड़ा महत्व है।

ससुराल में जमाई का
परदेश में कमाई का
जाड़े में रजाई का
दूध में मलाई का -----
बड़ा महत्व है।

बंदूक में गोली का
पूजा में रोली का
समाज में बोली का
त्योहारों में होली का
श्रृंगार में रोली का -----
बड़ा महत्व है।

बारात में दूल्हे का
रसोई में चूल्हे का --------
बड़ा महत्व है।

सब्जियों में आलू का
बिहार में लालू का
मशाले में बालू का
जंगल में भालू का
बोलने में तालू का -------
बड़ा महत्व है।

मौसम में सावन का
घर में आँगन का
दुआ में दामन का
लंका में रावन का ------
बड़ा महत्व है।

चमन में बहार का
डोली में कहार का
खाने में अचार का
मकान में दीवार का ----
बड़ा महत्व है।

सलाद में मूली का
फूलों में जूली का
सज़ा में सूली का
स्टेशन में कूली का -----
बड़ा महत्व है।

पकवानों में पूरी का
रिश्तों में दूरी का
आँखों में भूरी का
रसोई में छूरी का ----
बड़ा महत्व है।

माँ की गोदी का
देश में मोदी का -----
बड़ा महत्व है।

खेत में साप का
सिलाई में नाप का
खानदान में बाप का -----
बड़ा महत्व है।

सच कहा ना जी

ना कोई फिक्र थी ना कोई चिंतन

आजाद आजाद सा रहा करता था
भोला भाला सा मन
कितना सुहाना था वो बचपन

पिता की डांट थी,था माँ का दुलार
रूठ जाने पर मनाया करती थी माँ कहकर-
तू मेरा बाबू होशियार
आसुओं को हमारे, पोछकर -
दे जाती थी वो ,मीठी सी चुभन
कितना सुहाना था वो बचपन

स्याही वाली कलम थी
लीक ज्यादा होती और लिखती कम थी
छुट्टी की घंटी बजते ही
खुशियां छुआ करती थी गगन
कितना सुहाना था वो बचपन

खेल खेल में मर जाने का नाटक करना
जी उठना और फिर से मरना
जीवन की इतनी बड़ी सच्चाई से
अनजान होता था हमारा जीवन
कितना सुहाना था वो बचपन

छुट्टी के दिनों में-
खेला करते थे गलियों में क्रिकेट दिन भर
कोई खुद को कपिलदेव समझता
तो कोई गावस्कर
आज झगड़कर कल फिर से
उसी के साथ खेलना
कुछ ऐसा हुआ करता था हमारा
प्यार का बंधन
कितना सुहाना था वो बचपन

लेकिन अब नहीं वो बातें
अब नहीं वो दिन नहीं वो रातें
अब तो जिम्मेदारियों के बोझ से दबा हुआ है ये जीवन
कितना सुहाना था वो बचपन

बाबा रामदेव ने मधु मखखी के छत्ते को पत्थर मारा है जो बहोत सोची समझी स्टाइल से भारत की प्रकृतिक चिकित्सा को आहिस्ता आहिस्ता खत्म कर रहे थे और उसमे काफी हद तक सफल भी थे

IMA यानी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एक NGO है उसको इतनी तकलीफ क्यों हुई है ?

अब बाबा जो नही पूछ पाए वो अब जनता पूछ रही है IMA को और सरकार को भी कि...

१. एलोपैथी की दवाई में MRP की जगह प्रोडक्शन कॉस्ट बता दे तो बड़ी बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनीया कितनी लूंट मचा रही है वो जनता को समज आएगा

२. एक ही दवाई की बीस कंपनी के अलग दाम क्यों है ?

३. डॉक्टरो को यूरोप की टूर कंपनी वाले क्यों देते हैं ? डॉक्टरो के घर के AC, TV, Fridge और बहोत सारी बाते pharma कंपनीयो की देन क्यों होती है.. ?

४. जेनरिक दवाइयों को सरकार को क्यों लाना पड़ा है ?

५. कुछ मेडिकल स्टोर्स २० से ३० % डिस्काउंट क्यों देते हैं ? इतना डिस्काउंट है तो कमाई कितनी है ?

६. हॉस्पिटल्स के कमरे का किराया ३ हजार से ६० हजार एक दिन का क्यों है ? भारत की ५ स्टार ७ स्टार होटल से भी इन हॉस्पिटल्स का भाडा ज्यादा क्यों है ?

७. मेडिक्लेम आने के बाद १९९६ से मेडिकल ट्रीटमेंट इतनी महेंगी क्यों हुई ?

८. बड़े दवाई के डिस्ट्रीब्यूटर दस बीस करोड़ की प्रॉपर्टी गाजर मूली के जैसे क्यों खरीदते हैं ?

९. जब भी कोई नया हॉस्पिटल तयार होता है तो वहा की pharmacy वाला करोडों में कैसे बिकती है

१०. केंद्र सरकार भी दवाई की ऊपर भाव क्यों नही बांध सकती है ?

११. लूट का लाइसेंस किसने दिया इन फार्मा कंपनियों को ?

१२. सभी बातों को साइंस से प्रमाणित किया जाना अच्छी बात है लेकिन विज्ञान में आज जो सही है वो कल गलत हो जाता है ऐसा क्यों है ?

१३. दूसरी पारम्परिक दवाईओ को जो आज तक हमारी दादीमाँ और वैध देते आये थे उसको नजरअंदाज करने के लिए ब्रेन वॉश किस ने किया ?

१४. दूसरी सब चिकित्सा पद्धतियों को क्यों नजरअंदाज किया गया ?

१५. एलोपैथी की उम्र कितनी ? प्राचीन आयुर्वेद कितना पुराना ?

महर्षि चरक को किसने भुला दिया ?

१६. भारत मे मौसम अलग अलग है..उस हिसाब से हमारे खान पान है, सेंकडो मिठाई खाने के बाद हमारे बाप दादा १०० साल निकाल लेते थे।

१७. डायबिटीज में सुगर की मात्रा हर चार-पाच साल में नीचे लाने का पाप किसका है ? याने जो ४ साल पहले sugar patient नही था, वो अचानक से अब Diabetes का रोगी हो गया

१८. हम गर्मी में खरबूजा कलिंगड लिम्बु पानी गुलकंद खाकर दस बीस साल पहले ४० डिग्री में काम करते थे ।

खेर हमारी लड़ाई बाबा रामदेव ने शुरू की है और बाबा से तकलीफ IMA को ये है की वो १८००० अठारह हजार करोड़ का टर्न ओवर कर रहे हैं और कमाई का बड़ा हिस्सा सामाजिक कार्यो को दे देते हैं, इसलिए लोकप्रिय है।

लाखो छोटे किसानो को रोजी रोटी दी है एलोवेरा तुलसी इत्यादि वनस्पति और जड़ी-बूटियों की खेती वाले के लिए रामदेव बाबा बहोत मायने रखते है।

बाबा के उपर किये जुल्म सब को याद है तो बाबा खुद कैसे भूलेंगे, वो समय पर बाबा की पतंजलि के सभी स्थानों पर फ़ूड एंड एल्डरट्रेसन के छापे वृंदा करात प्रकाश करात जो १००% वामपंथी CPI के सांसद थे उसने डाले थे वो क्यों भूलेंगे

बाबा रामदेव ने भारत की जनता की आवाज़ उठाई हैं और pharma कंपनियो की मोनोपॉली पे वार किया है...

आप को क्या करना है वो आप को तय करना है। ??

जय आयुर्वेद जय भारत

ये "IMA" भी कितनी नादान है जब ??

१. जब १८०० का कॉन्टेक्ट लेंस बाजार में १८००० में बिकने की खबर छपी तब भी IMA नहीं बोली

२. जब दवा कंपनियों ने मेडिकल स्टोर वालों को खांसी की १०० शीशी पर २०० शीशी का गिफ्ट आफर मिला तब भी IMA नहीं बोली

३. जब सर्जिकल आइटम ८०-८५% की छूट पर दुकानदार को दिए तब भी IMA नहीं बोली

४. जब दवा प्रिंट रेट का मात्र २५-३० % लेकर दुकानों पर बेची और दुकानदार ने प्रिंट रेट से २०% ऊपर कस्टमर से वसूले तब भी IMA नहीं बोली

५. जब प्रिंट रेट अचानक हर चार महीने में २५% बढ़ी तब भी IMA नहीं बोली.

६. जब MRI, XRay, HRCT की रेट अचानक दुगुनी, चौगुनी हो गयी तब भी IMA नहीं बोली

७. जब लेब की रिपोर्ट एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक जाते ही खारिज हो जाती है तब भी IMA नहीं बोली

८. जब एम्बुलेंस ड्राइवर को, डॉक्टर या अन्य स्टाफ को एक मरीज लाते ही २५% कमीशन दिया जाता है तब भी IMA नहीं बोली

९. जब डॉक्टर के घर के गेट पर कमीशन राशि और गिफ्ट लिए कंपनियों के MR रोज परेड करते है तब भी IMA नहीं बोली

१०. जब एक पर्टिकुलर डॉक्टर की लिखी दवा शहर के एक मात्र पर्टिकुलर मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध हो तब भी IMA नहीं बोली

बस बाबा ने आपके करोड़ों ग्राहक को योग से निरोग कर दिया तो आपके हर्निया की शिकायत हो गयी

आपकी इज्जत कम हो गयी

आपकी मानहानि हो गई...

IMA के नाम से इंडियन

शब्द हटाओ बीमारी की असली वजह यही है।

देश की जनता तक सत्य पहुँचना जरूरी हैं।

बरगद एक लगाइये, पीपल रोपें पाँच

घर घर नीम लगाइये,यही पुरातन साँच।।
यही पुरातन साँच,- आज सब मान रहे हैं।
भाग जाय प्रदूषण सभी अब जान रहे हैं ।
विश्वताप मिट जाये होय हर जन मन गदगद।
धरती पर त्रिदेव हैं- नीम पीपल और बरगद।।

आप को लगेगा अजीब बकवास है , किन्तु यह सत्य है.. .

पिछले ६८ सालों में पीपल, बरगद और नीम के पेडों को सरकारी स्तर पर लगाना बन्द किया गया है

पीपल कार्बन डाई ऑक्साइड का १००% एबजॉर्बर है, बरगद ८०% और नीम ७५%

इसके बदले लोगो ने विदेशी यूकेलिप्टस को लगाना शुरू कर दिया , जो जमीन को जल विहीन कर देता है

आज हर जगह यूकेलिप्टस, गुलमोहर और अन्य सजावटी पेड़ो ने ले ली है

अब जब वायुमण्डल में रिफ्रेशर ही नही रहेगा तो गर्मी तो बढ़ेगी ही

और जब गर्मी बढ़ेगी तो जल भाप बनकर उड़ेगा ही

हर ५०० मीटर की दूरी पर एक पीपल का पेड़ लगायें

तो आने वाले कुछ साल भर बाद प्रदूषण मुक्त हिन्दुस्तान होगा

वैसे आपको एक और जानकारी दे दी जाए

पीपल के पत्ते का फलक अधिक और डंठल पतला होता है

जिसकी वजह शांत मौसम में भी पत्ते हिलते रहते हैं और स्वच्छ ऑक्सीजन देते रहते हैं।

वैसे भी पीपल को वृक्षों का राजा कहते है।

इसकी वंदना में एक श्लोक देखिए-

मूलम् ब्रह्मा, त्वचा विष्णु,
सखा शंकरमेवच।
पत्रे-पत्रेका सर्वदेवानाम,
वृक्षराज नमस्तुते।

अब करने योग्य कार्य

इन जीवनदायी पेड़ों को ज्यादा से ज्यादा लगाने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ायें

सुन्दर सार्थक लेख

एक घर मे पांच दिए जल रहे थे।

एक दिन पहले एक दिए ने कहा -

इतना जलकर भी मेरी रोशनी की लोगो को कोई कदर नही है...

तो बेहतर यही होगा कि मैं बुझ जाऊं।

वह दिया खुद को व्यर्थ समझ कर बुझ गया ।

जानते है वह दिया कौन था ?

वह दिया था उत्साह का प्रतीक ।

यह देख दूसरा दिया जो शांति का प्रतीक था, कहने लगा -

मुझे भी बुझ जाना चाहिए।

निरंतर शांति की रोशनी देने के बावजूद भी लोग हिंसा कर रहे है।

और शांति का दिया बुझ गया ।

उत्साह और शांति के दिये के बुझने के बाद, जो तीसरा दिया हिम्मत का था, वह भी अपनी हिम्मत खो बैठा और बुझ गया।

उत्साह, शांति और अब हिम्मत के न रहने पर चौथे दिए ने बुझना ही उचित समझा।

चौथा दिया समृद्धि का प्रतीक था।

सभी दिए बुझने के बाद केवल पांचवां दिया अकेला ही जल रहा था।

हालांकि पांचवां दिया सबसे छोटा था मगर फिर भी वह निरंतर जल रहा था।

तब उस घर मे एक लड़के ने प्रवेश किया।

उसने देखा कि उस घर मे सिर्फ एक ही दिया जल रहा है।

वह खुशी से झूम उठा।

चार दिए बुझने की वजह से वह दुखी नही हुआ बल्कि खुश हुआ।

यह सोचकर कि कम से कम एक दिया तो जल रहा है।

उसने तुरंत पांचवां दिया उठाया और बाकी के चार दिए फिर से जला दिए।

जानते है वह पांचवां अनोखा दिया कौन सा था ?

वह था उम्मीद का दिया...

इसलिए अपने घर में अपने मन में हमेशा उम्मीद का दिया जलाए रखिये ।

चाहे सब दिए बुझ जाए लेकिन उम्मीद का दिया नही बुझना चाहिए ।

ये एक ही दिया काफी है बाकी सब दियों को जलाने के लिए ....

आज सेहत के लिए समय नहीं निकाला तो कल सेहत के लिए पैसा निकालना पड़ेगा।

स्वस्थ रहना महंगा नहीं है। बीमार होने के बाद इलाज महंगा है।

मनुष्य मत:
दाग अच्छे हैं

ईश्वरीय मत:
चैतन्य बेदाग हिरे सच्चे हैं

ब्रह्माकुमारीज

सम्पादकीय...

नई सरकार गठन पर पूरी दुनिया की नजर

भारत में अगले महीने की शुरुआत में सरकार गठन का काम संपन्न होगा जिस पर पूरी दुनिया की नजर है। भारत का भरोसेमंद दोस्त रूस चाहेगा कि नई सरकार की नीतियों में निरंतरता कायम रहे। वहीं दूसरी ओर अमेरिका और पश्चिमी देश इस बात पर नजर रखेंगे कि अगला विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कौन बने। कहना न होगा कि एस. जयशंकर को लेकर पश्चिमी देश असहज हैं। लेकिन फिर भी उनका मानना है कि जयशंकर के साथ काम किया जा सकता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल उन देशों की आंखों में किरकिरी बने हुए हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को लेकर अमेरिका ने जो जाल बुना है उसका निशाना डोभाल ही हैं। यदि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हैं तो उनके सामने यह सवाल होगा कि नया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार किसको बनाएं। डोभाल की आयु करीब ८० साल है जो एनएसए के बड़े दायित्व को निभाने में बाधा बन सकती है। हालांकि उनके अनुभव और कार्यदक्षता को देखते हुए उनकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हो सकता है कि मोदी डोभाल को किसी अन्य दायित्व के साथ सलाहकार बनाए रखें तथा एनएसए के रूप में किसी अपेक्षाकृत कम आयु के व्यक्ति को नियुक्त करें। इस नई व्यवस्था में भी इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सरकार की नीतियों की धार बनी रहे। विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की नियुक्ति प्रायः निश्चित है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में अमेरिका ने विदेश मंत्री नटवर सिंह को पद से हटाने के लिए दबाव डाला था। तत्कालीन सरकार ने कथित घोटाले के नाम पर नटवर सिंह को उनके पद से हटा दिया था। इस पूरे घटनाक्रम का उल्लेख स्वयं नटवर सिंह ने अपनी पुस्तक में किया है। दशकों पूर्व जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में पश्चिमी देशों ने कृष्ण मेनन को भी ऐसे ही निशाना बनाया था। लेकिन मोदी सरकार किसी दबाव में झुकेगी इसकी संभावना नहीं है। इस बीच जयशंकर ने एक राजनीतिक नेता जैसे तेवर अपना लिये हैं। अपने ताजा साक्षात्कार में उन्होंने 'इंटरनेशनल खान मार्केट गैंग' का उल्लेख किया। यह गैंग भारत में ऐसे ही तत्वों के साथ मिलकर सरकार की नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश करता है। जयशंकर के अनुसार इस गैंग में पश्चिमी देशों की मीडिया, बुद्धिजीवी वर्ग, थिंक टैंक और मझोले दर्जे के सरकारी अधिकारी शामिल हैं। यह पहले अवसर है कि जब जयशंकर ने मोदी विरोधी तबके में सरकारी अधिकारियों के शामिल होने की बात कही है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रशासन ने जयशंकर के इस कथन पर मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। प्रकारांतर से जयशंकर ने इन देशों को आगाह किया है कि भारत की राजनीति में दखलंदाजी करने से बाज आएं। अमेरिका इस चेतावनी के मद्देनजर अपनी नीति में बदलाव करता है अथवा मौजूदा नीति पर ही अमल जारी रखता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। इस बीच चेक गणराज्य में गिरफ्तार निखिल गुप्ता की अमेरिका प्रत्यर्पण की कार्रवाई अंतिम चरण में है। गुप्ता के अमेरिका पहुंचने के बाद वहां अदालती कार्रवाई तेज हो जाएगी। अमेरिका पन्नू की कथित हत्या के प्रयास के सिलसिले में प्रथम साजिशकर्ता के प्रत्यर्पण की मांग भी कर सकता है। अमेरिका के अनुसार प्रथम साजिशकर्ता कथित रूप से भारत की विदेश खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का अधिकारी था। नई सरकार अमेरिकी की इस मांग को निश्चित रूप से ठुकरा देगी। भारत औरअमेरिका के द्विपक्षीय संबंध बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करेंगे कि इस पेचीदा मामले से कैसे निपटा जाए। इस बीच चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान फिर चर्चा में आ गए हैं। अफगानिस्तान के हुक्मरानों ने भारत चाबहार समझौते का स्वागत किया है। नए घटनाक्रम में रूस ने चेतावनी दी है कि अमेरिका इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकवादी संगठनों को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों में फिर सक्रिय कर सकते हैं। ये आतंकी गुट रूस और ईरान को निशाना बना सकते हैं और चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण गलियारे को निशाना बना सकते हैं।

देश के लिए आत्मघाती साबित होते जातिवादी, धर्मवादी, पंथ वादी, संगठन व बड़े बड़े एनजीओ

किसी भी देश की उन्नति के लिए शांतिपूर्ण वातावरण अति आवश्यक है।यह तब सम्भव है जब उस देश में एक निशान एक विधान एक भाषा शक्ती से लागू हो,और शासक भी शक्त प्रजापालक न्यायप्रिय निष्पक्ष और कठोर निर्णय लेने वाला हो।और उस देश की जनता अपने शासक का सम्मान करती हो।शासक द्वारा बनाये हुए नियमों का निष्ठापूर्वक पालन करती हो।वही देश विकास करता है,और विकसित भी होता है।उसी देश का विश्व पर प्रभुत्व भी होता है।

जब शांति होती है तो समृद्धि होती है।जब अशांति होती होती तो पतन होता है।एक समय था अंग्रेजों ने लगभग पूरे विश्व पर अपना वर्चस्व कायम कर लिया था।क्योंकि ब्रिटेन में कोई जातिवादी, धर्मवादी, पंथवादी ,अतिवादी संगठन नहीं थे।वहाँ के लोगों की अपने शासक में पूर्ण निष्ठा थी।वहाँ के लोग अपना भरपूर विकास करके खुद को आधुनिक हथियारों से सज्ज हो लिए।इसके बाद धीरे धीरे पूरे विश्व पर अतिक्रमण कर लिए।कुछ अंतराल के बाद कुछ देश जिसमें जातिवादी,धर्मवादी,पंथवादी,और एनजीओ नहीं थे।वे देश भी आधुनिक हथियारों से खुद को सज्ज किये।और अंग्रेजों को अपने अपने देश से खदेड़ना शुरू किए।मगर भारत में तमाम धर्मवादी,जातिवादी,पंथवादी संगठन के अलावा,एनजीओ होने के कारण,अंग्रेज यहाँ लगभग सबसे अधिक चार सदी तक शासन किए।इन तमाम विषमताओं के होते हुए भी उन वीर बाँकुरों की जिजीविसा और बलिदान के चलते एन केन प्रकारेण भारत भी आजाद हुआ।आजादी के बदले भारत को और भारतियों को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।तबके कर्णधारों ने आजादी के बदले हम भारतियों से बहुत बड़ी कीमत वसूली।अपने सत्ता सुख के लिए,सबसे पहले तो भारत के दो टुकड़े कर दिए।इसके बाद जो हुआ वह बहुत ही हृदयविदारक हुआ।हम लोग तो आज उस दृश्य को केवल फिल्मों में अखबारों में देखते हैं।उस दृश्य को चित्र में देखने से ही सिहर जाते हैं। जरा सोंचिए जिनके सामने प्रत्यक्ष था,उनकी क्या दशा हुई होगी तब।खैर हम आजाद हो गये।खुशी मनाये।नाचे गाये।और आज भी नाच ही रहे हैं,अपने कर्णधारों के इशारों पर कठपुतली की तरह।

हम आजाद हुए,हमें अपना संविधान मिला।बहुत से मौलिक अधिकार मिले।फिर भी हमारा देश पिछड़ता ही चला गया।जबकी अपार प्राकृतिक सम्पदाओं से देश सम्पन्न है।जो चीजें और देश खरीदते हैं वह हमें प्रकृति से मुफ्त में मिलती है।फिर भी हम पिछड़े रह गये तो क्यों ?जहाँ तक मेरा अपना आकलन है,और जीवन से प्राप्त अनुभव है,वो ए कि हमारे देश में तमाम जो जातिवादी,धर्मवादी,पंथवादी के अलावा एनजीओ हैं।ए ही भारत को पछाड़ने में मुख्य रूप से जवाबदार हैं।विगत कुछ वर्ष पीछे लगभग २०१४ के पहले हमारे देश में हर महीने कहीं न कहीं धर्मवादी दंगा,जातिवादी दंगा,पंथवादी दंगा,और अतिवादी आतंकी घटनाओं से हमारा देश दहलता रहता था।जो अर्थ देश के विकास में लगना चाहिए था।वह इन घटनाओं में स्वाहा हो जाता था।हमारे देश में जो सामाजिक संगठन बने देश हित के लिए,वे विदेशियों से धन लेकर हमारे विकास कार्यों में बाधक बने रहे।जिससे हमारे देश का काफी नुकसान होता रहा।इसमें विगत सरकारें भी दोषी रहीं।अपनी सत्ता बनी रहे इसलिए उपरोक्त घटनाओं को सही तरीके से सुलझाने की कोशिस नहीं की।जिसका कारण ए हुआ कि भारत १९४। से लेकर २०१४ तक सुलगता ही रहा।शासक की गलत नीतियों के चलते व सत्ता लोलुपता के चलते भारत पिछड़ता ही रहा।२०१४ में भारत को एक चतुर और सशक्त शासक मिला,उसने उपरोक्त विसंगतियों पर अंकुश लगाने में बहुत हद तक सफलता पाई।जो देश दंगों और आतंकी बम विस्फोटों के नाते जाना जाता था,वह आज शांति का सिम्बल बनता जा रहा है।जो धन पहले उपरोक्त विसंगतियों में स्वाहा हो जाता था।आज वह धन गरीब कल्याण और देश के विकास में लग रहा है इसलिए आज यदि देश विकास के पथ पर गतिमान है तो एक ही कारण है शांति।आज देश में कोई आतंकी घटना नहीं,कोई धर्मवादी जातिवादी दंगल नहीं।कोई विकास के काम में एनजीओ द्वारा रुकावट नहीं।यदि ऐसे ही देश चलता रहा तो,वह दिन दूर नहीं जब हम विकसित भारतवासी कहलायेंगे।

अभी भी देश में जातिवादी ,धर्मवादी, अतिवादी,पंथवादी संगठन रह रहकर शीश उठा रहे हैं इसलिए देश में आज एक निशान एक विधान एक भाषा एक पहचान की बहुत जरूरत है।संविधान में लिखित समान नागरिक संहिता लागू कर उपरोक्त विसंगतियों को स्वाहा करना अति आवश्यक है।सबको समान अधिकार होगा तो कोई हिन्दू मुसमान न होगा।न कोई दलित और सवर्ण होगा।होगा तो सिर्फ मानव होगा।जब सभी मानव होंगे तो झगड़ा ही नहीं होगा।झब झगड़ा नहीं होगा तो शांति होगी।और जब शांति होगी तो विकास होगा।और भारत विश्व पटल पर विश्व गुरू बनकर राज करेगा।देश में ऐसे सभी उपरोक्त अतिवादी संगठनो की मान्यता रद्द कर देनी चाहिए।जो सिर्फ देश और देशवासियों का अहित कर रहे हैं,और देश के लिए आत्मघाती बने हुए हैं।

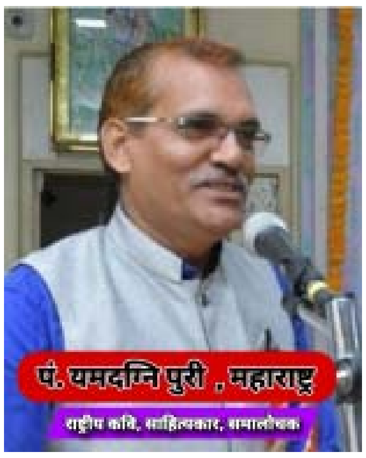

-पं.जमदग्निपुरी

हिन्दी भाषा की दशा और दुर्दशा पर मेरा यह (मुक्तक)

एक दिन इस जिंदगी ने रोते मुझसे ये कहा
स्वर्ग सी इस जिंदगी में क्यू नर्क सा जीता रहा
इतनी सुलझी जिंदगी में तू सदा उलझा रहा
और पा जाने की इच्छा मन में तू करता रहा
तृप्त होकर भी यहां न तृप्त हो पाए कभी
जिंदगी क्या चीज है ना समझ पाए कभी
जिंदगी को जिंदगी सा मान तूने ना दिया
धन को ही सब कुछ है समझा साथ मेरा ना दिया
भूख इच्छाओं की तेरी भूख बनकर रह गई
जिंदगी गुजरी नहीं बस उम्र ढलती रह गई
धन की इच्छा ने हीं तुझको अलग मुझसे कर दिया
जिंदगी क्या चीज है उसको समझने ना दिया
डूब करके भ्रम मे कहते जिंदगी जीता रहा
सब जीवन से हारे हैं तो कैसे तू जीता रहा
तू तो हरदम ही यहां पर अपने में उलझा रहा
मैं ही तुझको जी रही हूं तू ना मुझे जीता रहा

धनाक्षरी

गुम हुए गीत छन्द,हार गए प्रेम द्वन्द,,रूठ शारदे भी गई,लेखनी की धार से। शब्द सब हुए मौन,भाव मे डुबोए कौन, गीतिका उदास हुई,नेह दृष्टि भार से। साधना की धार मध्य,छूट पतवार गई,बुद्धि की विशालता भी,लौट गई द्वार से। आन,बान, शान गई,डूब अनुरक्ति गई,लेखनी विछुब्ध हुई,अर्चना बहार से। टूटती सितार कहे,कौन तृप्ति साथ गहे, प्रीति की प्रतीति गई,द्वन्द के वितान में। स्वर लय ताल छन्द,मंद,मंद,हुए बन्द, शब्द अर्थ भाव गए,भोर की अजान में। त्याग,तप व्यर्थ हुए,शब्द भी अनर्थ हुए,तर्क शक्ति क्षीण हुई,वेदना की म्यान में। अश्रु सनी सना पड़ी, छुब्ध कामना में जड़ी, कैसे लिखे गीत ग्रन्थ,प्रीति की दुकान में।

-बिट्टू जैन सना

शुभ रात्रि

नदी का पानी मीठा होता है क्योंकि वो पानी देती रहती है सागर का पानी खारा होता है क्योंकि वो हमेशा लेता रहता है नाले का पानी हमेशा दुर्गंध देता है क्योंकि वो रूका हुआ होता है यही जिंदगी है देते रहोगे तो सबको मीठे लगोगे!लेते रहोगे तो खारे लगोगे और अगर रुक गए तो सबको बेकार लगोगे। जीवन में कठिनाइयां हमें नुकसान पहुँचाने नहीं आती हैं बल्कि ये हमारी छुपी हुई शक्तियों और सामर्थ्य को बाहर निकालने में हमारी मदद करती हैं..!

जीवन में केवल दो ही वास्तविक धन है समय और सांसे और दोनों ही निश्चित और सीमित हैं समझदारी से खर्च करें अपनी आत्मा को कभी मत बेचिए यही एक मात्र चीज है जो आप संसार में ले के आये थे और यही चीज है जो जाते समय लेकर जाएंगे अपने ज़मीर को कभी मरने ना दे किस्मत कटपुतली का खेल करवाती है वरना ज़िन्दगी के रंगमंच पर कोई भी कलाकार कमज़ोर नहीं होता मिट्टी के दीपक सा है ये जीवन तेल खत्म खेल खत्म तालाब सदा कुँऐ से सैंकड़ों गुना बड़ा होता है, फिर भी लोग कुँऐ का ही पानी पीते हैं क्योंकि कुँऐ में गहराई और शुद्धता होती हैं।

-शुभ रात्रि

जय श्री राधामाधव

कन्हैया से श्री कृष्ण होने को
छोड़ गए वृंदावन में राधा रोने को
तुमसे मन भर शिकायत करूँगा
क्या यह जरूरी था भगवान होने को ।

त्रेता में तो रोये थे खूब वियोग में
है खग-मृग हे मधुकर श्रेणी
तुम देखी सीता मृगनयनी
दुख में भूल गये थे जागने सोने को ।

क्यों द्वापर में पहचान बदल गये
प्रेम निभाने के प्रतिमान बदल गये
पथ न बनाया गया द्वारका से वृंदावन तक
तुम ही थे न तैयार सागर सोखने को ।

आज पूछ ही लूँ लाडली जी की तरफ से
क्या फिर गुज़रे कभी बरसाने की तरफ से
श्रीजी का विरह क्या याद है कान्हा बोलो
या अवतार लिया था महाभारत होने को ।

मैं पूछ रहा है छलिया बताओ मुझे तुम
क्या मुश्किल थी राधा संग जताओ तुम
क्या प्रेमी कान्हा से गीता नही होती
निष्ठुरता चाहिये पांचजन्य हुँकार होने को ?

–बाग़ी

प्रस्तुत है एक ब्रजभाषिक (छन्द) सवैया

हम कबहूँ तोहार का बैल खोलले बानी
जे रउवा हमसे एतना टेढ़ बोलले बानी ।

आपन काम से काम दुनिया राखेले जी
काहे हमके अकेले तराजू में तोलले बानी ।

मत बोलीह रूसिया के ए बबुआ केहू से
ई बात बड़का ठोकर खा के सीखले बानी ।

चल मिल के बाबा के मड़ई छववाल जाई
खईनी के चुनौटिया बगले में खोसले बनी ।

बगइचा के टपका आम खईबा त बताव
बीन के भिनसहरे से पानी मे धइले बानी ।

आपना थरिया में सुकून से दू रोटी बाग़ी
प्रेम से सुतला खाती जांगर खटइले बानी ।

–बाग़ी

चुनावी मौसम में, बस यूं ही चार पंक्तियां,
उसे बेशक भले ही आप नाकारा समझते हैं,
पर उसके चाहने वाले उसे क्या क्या समझते हैं।
वो अंधों के शहर में आईने भी बेच लेता है,
उसे नेता बड़े ही काम का बंदा समझते हैं।।

–नरेन्द्र शर्मा ख़ामोश

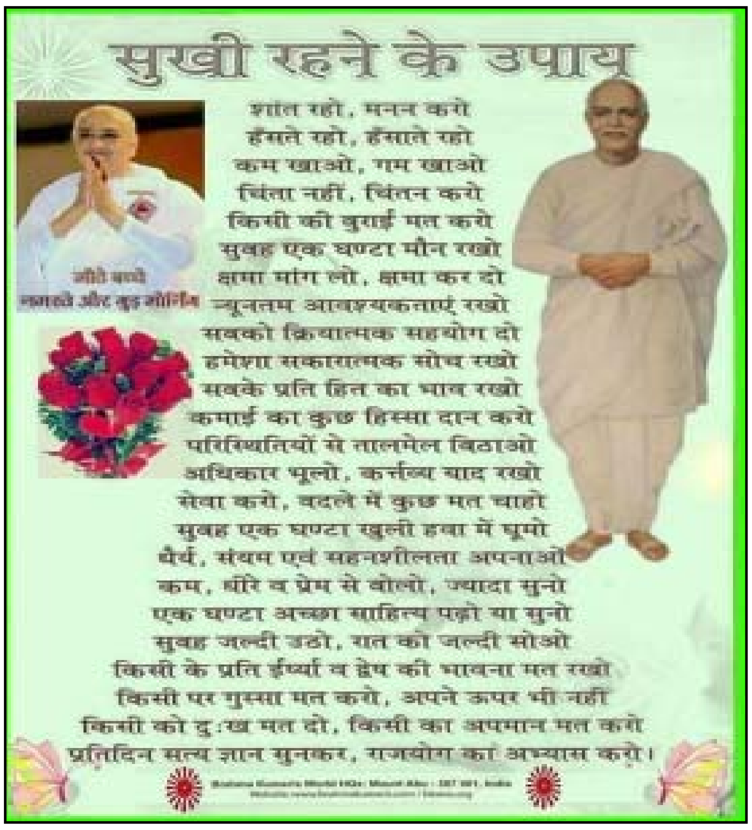

आस्ती में हैं खंजर छुपाए हुए, आज
वो हैं कजा मेरी लाए हुए ।

काबिले एतबार आज किसको कहूं,
दोस्त दुश्मन हैं सब आजमाए हुए ।

हर किसी को करो दूर ही से सलाम ,
कौन कपड़ों में क्या हो छुपाए हुए ।

मुस्कुराहट के परदे में शामिल है गम ,
सब नकाब अपने रुख पर लगाए हुए ।

जिक्र गम का कभी श्रुति मत
कीजिए ,
माना मुद्दत हुई मुस्कुराए हुए ।
श्रुति भट्टाचार्य

धनाक्षरी

गुम हुए गीत छन्द,हार गए प्रेम द्वन्द,,रूठ शारदे भी गई,लेखनी की धार से।
शब्द सब हुए मौन,भाव मे डुबोए कौन, गीतिका उदास हुई,नेह दृष्टि भार से।
साधना की धार मध्य,छूट पतवार गई,बुद्धि की विशालता भी,लौट गई द्वार से।
आन,बान, शान गई,डूब अनुरक्ति गई,लेखनी विछुब्ध हुई,अर्चना बहार से।
टूटती सितार कहे,कौन तृप्ति साथ गहे, प्रीति की प्रतीति गई,द्वन्द के वितान में।
स्वर लय ताल छन्द,मंद,मंद,हुए बन्द, शब्द अर्थ भाव गए,भोर की अजान में।
त्याग,तप व्यर्थ हुए,शब्द भी अनर्थ हुए,तर्क शक्ति क्षीण हुई,वेदना की म्यान में।
अश्रु सनी सना पड़ी,छुब्ध कामना में जड़ी, कैसे लिखे गीत ग्रन्थ,प्रीति की दुकान में।

-बिट्टू जैन सना

ग़ज़ल

इक मर्ग-ए-मुकम्मल की हसरत ही रही दिल में
महबूब के आँचल की हसरत ही रही दिल में

गुमनामियों में मौत हो पर इसमें मज़ा भी हो
कुछ शोख़ सी हलचल की हसरत ही रही दिल में

कुल उम्र गुज़ारी है सादा से लिबासों में
इक कुर्ता-ए-मलमल की, हसरत ही रही दिल में

दिन दर्द से बोझिल था हम रात बहुत रोये
तब आप के सम्बल की हसरत ही रही दिल में

आवाज़ दी रिश्तों को मगर कौन सदा सुनता
तब मय भरी बोतल की हसरत ही रही दिल में

माँ- बाप ने सब खोकर नादाँ को सँवारा था
सज़दा-ए-मुसलसल की, हसरत ही रही दिल में

जब जब भी तप-ए-ग़म ने इस दिल को जलाया है
राहत भरे बादल की, हसरत ही रही दिल में

@ सुभाष राहत बरेलवी
दिनांक - 23/05/2024
मोब.. 7027609930
मर्ग =मौत /मुसलसल = निरंतर
मापनी =221 1222 221 1222

ओम शांति जानते हैं...

भोजन बनाने की आध्यात्मिक विधि- ब्राह्मण जीवन में बाबा की याद में भोजन बनाने के क्या फायदे हैं और कैसे बनाएं ? सुनिए विस्तार से बीके राजयोगी रोहित भाईजी के द्वारा।

प्रभु तेरी देख कहर, सिसक रहा संसार
कितने घर बेघर हुऐ, बिखर गया परिवार

कितने श्रमिक की तूने , पल मे ले ली जान
बिन मौसम बिन मेघ के , लाया तूँ तूफान

सिहिर उठा पूरा शहर, डर का मंजर देख
बूढ़ जवान अधेड़ सब, भागे झोला फेंक

छोटे छोटे लाल को, तूने किया अनाथ
गृहस्वामिनी रमणी पर,गजब किया आघात

कितनी माँओं की तूने, सूनी कर दी गोद
कितने जनक बिलख रहें ,करके पुत्र वियोग

(अवधेश यदुवंशी के दोहे)24/5/24

महाराष्ट्र : नवी मुम्बई के कामोठे सेक्टर ११ में संजय तिवारी एवं राघोशरण पाण्डेय जी द्वारा आयोजित एक दिवसीय श्री राम कथा में कथा विराम पर कथा वाचक जगत गुरु बल्लभाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद मिला।

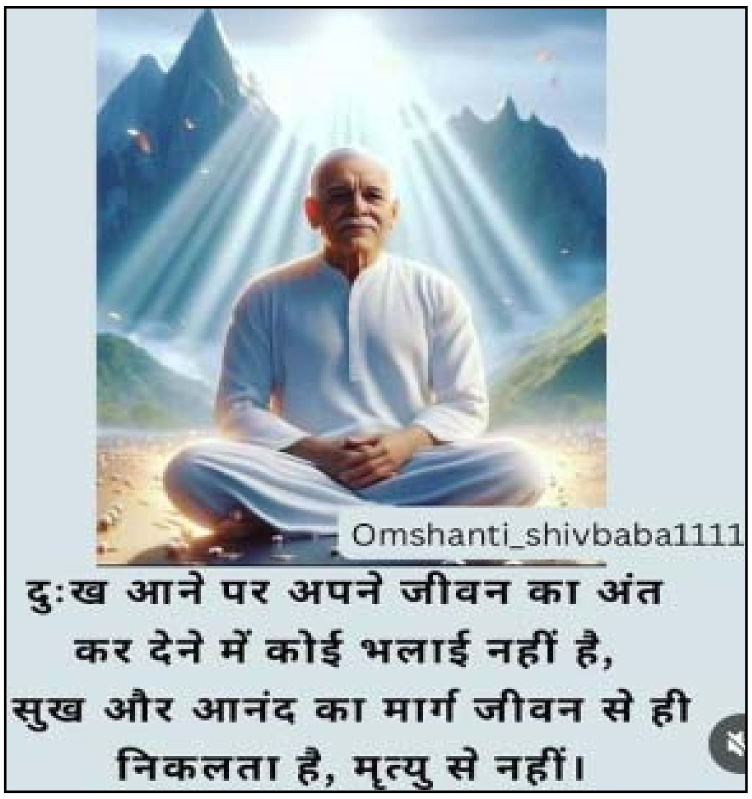

स्वप्न नगरी मे स्वप्न पूरे करने की होड़ मे बिखरते संयुक्त परिवार....

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। जब समाज का निर्माण किया गया तब तीनों पीढ़ियों के जीवन सुचारु रूप से चले। **bujurgon** का और बच्चों का विशेष ध्यान रखा गया था। युवा वर्ग अपनी जिम्मेदारी निभाते और बड़े बुजुर्ग उनके बच्चों का बचपन संभालते और संवार देने मे जीवन की सार्थकता और सुकून मानते थे।

पर समय के चलते चक्र ने सबका जीवन ही बदल दिया। सबसे पहले युवा वर्ग सिर्फ अपने सपनों के पीछे दौड़ने मे अपनों को अपनी प्रगति मे बाधक मानने लगे। फिर पाषाण युग से हम संगणक युग में तो आये पर अब उनके आधुनिक जीवन शैली मे अपने ही माता पिता और बुजुर्ग की जीवन जीने की नसीहत आजादी मे बे डी लगने लगी। तब से बुजुर्ग संयुक्त परिवार से लुप्त होने लगे। अब वे शून्य और बोझ बनकर गाँव में सिमट कर रह गए। समय पंख लगा कर और उड़ा। अब आया भ्रमण ध्वनि का युग। सभी लोगों की दुनिया इस छोटी सी डीबीया मे सिमट गयी। अब इस दौर में माता पिता अपने बच्चों के लिए सिर्फ उनकी महंगी जरूरतों को पुरा करने की मशीन बन गये। शहर का आशियाँ और सिमटने लगा। सब अपने अपने मोबाइल की फेसबुक और **watsup** जईसी मायावी दुनिया मे मृग जल की तलाश करने लगे। अपने ममता मयि बड़े बु जू र्गों का सागर छोड़कर दो बुँद पानी की तलाश करते है।

अब तो माता पिता को वृधाश्रम मे जीवन की गोधूलि बेला गुजारनी पड़ रही हैं। पहले बच्चे विद्यालय से आते थे तब माँ या बुजुर्ग उनकी बातें सुनते थे। उनको दुनिया के ऊंच नीच और अपने जीवन का अनुभव समझाते थे। बच्चे आते ही मोबाइल मे सिमट पर अब एकल परिवार का चित्र ही बदल गया है। छ सदस्यों का परिवार पहले चार मे **bata fir** चार से तीन मे सिमट गया। ब्यादलते दौर के तलाक़ को देखते हुए दो सदस्य मे बंट गया। आज लोग महंगी नस्ल के कुत्ते की जिम्मेदारी बड़े चाव से निभाते है पर परिवार के अपनों की नहीं।

इसलिए आज हमारी नई पीढी को तनाव और एकांत वास से उबर पाये। घर पर उनका कोई इंतजार करे। उनके जीवन के **badalte** दौर और **utaar chaadhav** मे साथ रहे। सन्सकारों का पहरा हो, सर पर बुजुर्ग की आशीर्वाद की छत हो और माता पिता के प्यार की छाँव हो जिसमे नई पीढ़ी के सपने पले......

लक्ष्मी यादव
डोंबिवली

जीवन का आनन्द

सुख शांति से जीना है, तो नियम कुछ अपना लो
आशा ना रखो किसी से, स्वयं को सक्षम बना लो

बीत गई जो बातें उन्हें, कभी ना रखना पकड़कर
नरमी रखो व्यवहार में, ना रहना कभी अकड़कर

औरों को बदलने की तुम, कोशिश भी ना करना
बदलना पड़े स्वयं को, तो बिलकुल भी ना डरना

आने वाली परिस्थितियां, रहती हैं जाने को तैयार
किन्तु वो ये कहती पहले, तुम करो मुझे स्वीकार

जब शान्त मन से सोचोगे, तो समाधान निकलेगा
वक्त जैसा भी आया है, वो हर हालात में बदलेगा

किसी के जीवन से तुम, अपनी तुलना मत करना
अन्तर्मन में औरों के प्रति, स्नेह की भावना भरना

शुद्ध संकल्पों के लिए करना, मन को तुम पाबन्द
प्रतिपल लेते रहना तुम, अपने जीवन का आनन्द

शांति
मुकेश कुमार मोदी
बीकानेर
मोबाइल नम्बर 9460641092

परम पूज्य संत श्री आशारामजी बापूके साधक समिति द्वारा दिनांक 26/05/2024 रविवार को मुलुंड पश्चिम उपनगर मे प्रभात फेरी निकाली गई

मुलुंड साधक परिवार द्वारा प्रत्येक रविवार को इसी प्रकार से प्रभात फेरी एवं भगवन्नाम संकीर्तन यात्रा निकाली जाती है। प्रभात फेरी की बड़ी भारी महिमा है, इसमे भगवन्नाम जप तथा संकीर्तन करने से वातावरण पवित्र एवं भक्तिमय हो जाता है। वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह अत्यंत लाभदायक है, सुबह-सुबह शांत और प्रदूषण रहित वातावरण में पैदल चलने से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है। अतः ऐसी प्रभात फेरियां अन्य स्थानों पर भी निकालनी चाहिए।

मेरा व्यवहार ही मेरी पहचान है, वरना मेरे नाम के तो हजारों लोग है !!

बागेश्वर धाम सरकार श्री धीरेंद्र शास्त्री यांना अबुधाबी चा शेख स्वतः घ्यायला आला स्वतः कार चालवत घेऊन आला एवढेच नाही तर अबुधाबी मध्ये २२ते २६ सगळ्यांनी राम कथे ला यावे म्हणून सुट्टी पण जाहिर केली आणि तिथल्या शेख ला सुद्धा कपाळी गंध लावायला सांगितले ही आहे सनातन हिंदू धर्माची ताकद सनातन वैदिक हिंदू धर्म की जय

विश्वात्मक वंदे भारत

सच की कुटिया में मानवता चुप बैठी मंथन करती है।
आडम्बर के आईने में अब कविता मंचन करती है।।
संवेदना की लाशों पर चढ़ वाह-वाह का शोर मचा है।
हिंदी अब अपने अतीत पर रो-रोकर क्रंदन करती है।।

– रवि मोहन अवस्थी

ग़ज़ल

ज़िंदगी तो ख़ुदा की नेमत है
आज की बस यही हक़ीक़त है

वोट की ओट में है खेल कई
नाचती हर जगह सियासत है

ये ख़ुशी और तरबियत दिल की
यह सुकूँ माँ की ही बदौलत है

आज गुरबत पे है नहीं पर्दा
क्योंकि मुश्क़िल में आदमीयत है

घर की बरकत ही है बुज़ुर्गों से
इनसे बढ़ती ही घर की इज़्ज़त है

आज आबाद ये रखो जंगल
हमसे कहती यही तो कुदरत है

यूँ कनक दिल में बस रहे तुम हो
नाम इसका ही तो मुहब्बत है

डॉ कनक लता तिवारी

ब्रह्माकुमारी संस्थान • 4 दिनी राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन

अपने काम को खुशी और आनंद के साथ करें : बीके शिवानी दीदी

(ज्ञान सरोवर न्यूज)

ब्रह्माकुमारी संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर चल रहे राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन शनिवार को दो सत्रों में किया गया। मीडिया विंग की ओर से आयोजित सम्मेलन के दूसरे दिन शाम को मूल्यनिष्ठ समाज के लिए दृष्टि और उद्देश्य विषय पर सेशन आयोजित किया गया।

इस मौके अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने काम के दबाव को आनंद के साथ प्रबंधित करें विषय पर कहा कि आज से सभी संकल्प करें कि हम खुशी के लिए नहीं खुशी के साथ अपना काम करेंगे। खुशी हमारे जीवन का गहना है, आत्मा की खुराक है। अपनी खुशी को अमानत की तरह संभाल कर रखें। हमें हर परिस्थिति में खुशी और आनंद के साथ जीवन जीने के तरीके ढूंढने होंगे। कार्यक्रम में चेन्नई से आए अन्ना यूनिवर्सिटी के मीडिया साइंस डिपार्टमेंट के हेड प्रो. डॉ. एस. अरुलचेलवन ने कहा कि जब तक हम सही उद्देश्य के साथ काम नहीं करेंगे तो मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना नहीं हो सकती है। महान लक्ष्य के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। इसमें मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुंबई से आए रेडियो जॉकी और एक्टर दिलीप जैन ने कहा कि हमारे अंदर नेगेटिविटी भरी हुई है, यही कारण है कि हम मीडिया के माध्यम से ज्यादा नेगेटिव चीजों को समाज में परोसते हैं। मीडियाकर्मी के नाते रोज हमें कुछ न कुछ सकारात्मक कार्य, स्टोरी, खबर जरूर करना चाहिए। मैं पिछले चार साल से अपने रेडियो स्टेशन में लव यू जिंदगी शो कर रहा हूं और यह शो मुंबई का सबसे फेमस शो है। इस शो के माध्यम से मेरा प्रयास होता है कि मैं समाज में सकारात्मक चीजों को दे सकूं। ज्ञान सरोवर की निदेशिका बीके प्रभा दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका डॉ. सविता बहन, अहमदाबाद की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म की उपसंचालक इला गोयल ने भी विचार व्यक्त किए। दिल्ली की मीडिया विंग की जोनल कॉर्डिनेटर बीके सुनीता दीदी ने सभी को राजयोग करवाया। संचालन एजुकेशन विंग की नेशनल कॉर्डिनेटर बीके सुमन बहन ने किया।

माउंट आबू के सम्मेलन को संबोधित करते अतिथिगण।

धूमधाम से संपन्न हुआ हिंदू जनजागृति संस्था का प्रथम वार्षिकोत्सव

अमित शिवकुमार दुबे,स्थानीय संपादक, महाराष्ट्र

पालघर। हिंदू जन-जागृति संस्था ने सैंकड़ों सनातनियों की मौजूदगी में अपना पहला स्थापना दिवस बड़ी ही धूमधाम से मनाया।मुख्य अतिथि के रूप में राजराजेश्वरी दिगंबर महंत श्री परमहंस श्री गिरि जी महाराज की उपस्थिति आकर्षण का केंद्र रही।लोग उनकी एक झलक पाने को और आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु लालायित दिखे।वर्तमान समय में भी नि:स्वार्थ भाव से धर्म और आस्था के प्रति लोगों का यह झुकाव सुखद दिखा और यह दृश्य भविष्य को भी आशान्वित कर गया।

भगवान श्री राम की प्रतिमा के समक्ष दीप-प्रज्वलन के साथ ही कार्यक्रम की शुरुआत हुई।महंत श्री परमहंस गिरि जी महाराज का संस्था के सदस्यों व पदाधिकारियों द्वारा पाद-प्रक्षालन के साथ स्वागत किया गया।संस्था के राष्ट्रीय महासचिव अमित कुमार सिंह द्वारा संस्था की प्रस्तावना प्रस्तुत की गयी।ज्ञात हो कि इस संस्था की स्थापना महाराष्ट्र के पालघर जिले के ६ हिंदुत्व प्रेमी सनातनी मित्रों व उनके साथ १ मुँह बोली सनातनी बहन इन ७ लोगो ने मिलकर परस्पर चर्चा के पश्चात हिंदुत्व को प्रबल दिशा देने के उद्देश्य से ९ मई २०२३ को की थी।

संस्था ने इस एक वर्ष में अनेक कार्यक्रम किए और अपनी मेहनत,लगन व निष्ठा से स्थानीय जनता का विश्वास जीता।गौ-तस्करों से गो-वंश को बचाना हो या लावारिस पड़ी गो माता का अंतिम संस्कार,आदिवासी बच्चियों की शादी हो या स्थानीय लोगों की कोई समस्या,मानसिक रोगियों का इलाज हो या लापता बच्चों की खोज, काँवड़ियों की सेवा हो या विजयादशमी पथ पर पुष्प- वर्षा,धर्म जागरण का महायज्ञ हो या दीपावली पर्व पर ज़रूरत मंदों को तोहफ़ा, शालाओं में ज़रूरत मंद बच्चों के बीच पुस्तक वितरण हो या छठ महापर्व पर सेवा हेतु पांडाल,महिलाओं का पवित्र हल्दी कुमकुम हो या कन्यापूजन-हर क्षेत्र में इस संस्था ने अपनी ज़िम्मेदारी और भागीदारी दिखाई।

भव्य समारोह में गणमान्य व्यक्तियों को शाल और स्मृति चिन्ह देकर संस्था ने सम्मानित किया।सम्मान प्राप्त करने वालों में कवि-साहित्यकार,पत्रकार-समाज सेवी और समाज के अन्य क्षेत्रों के अग्रणी लोगों को महत्ता दी गयी।विभिन्न तरह के रंगारंग कार्यक्रमों के बीच लगातार जय श्री राम का उद्घोष कर्णप्रिय लगा।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि सिंह,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री हिम्मत जैन,संगठन मंत्री श्रीमती तुलसी छीपा व कर्मठ सदस्य श्री मोहित मेहता आदि की एकात्मकता ने कार्यक्रम की सफलता में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी थी।समस्त हिन्दूओ को जागृत व धर्म के प्रति आस्था, एकता व अखंडता हेतु पूर्णरूप से समर्पण ही 卐हिन्दू जनजागृति संस्था卐 का मूल उद्देश्य है। सत्य ही सनातन व सनातन ही सत्य संस्था का मूल मंत्र है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस (३० मई) पर शुभकामनाएं ..

हिंदी पत्रकारिता दिवस आज ३० मई को मनाया जाता है। इसी तिथि को पंडित युगुल किशोर ने १८२६ ई. में प्रथम हिन्दी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन आरम्भ किया था।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरुआत बंगाल से हुई थी, जिसका श्रेय राजा राममोहन राय को दिया जाता है। आज के समय में अखबार और समाचार पत्र एक बहुत बड़ा व्यवसाय बन चुका है। प्राचीन काल के नारद मुनि को भी एक अच्छा संचारक एवं पत्रकार माना जाता है.. मीडिया ने आज सारे विश्व में अपनी एक ख़ास पहचान बना ली है। **"Pen is a Fittest thing of War".**

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सभी को शुभकामनाएं.

-संजय वर्मा (स्वतंत्र पत्रकार-सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेल) एवं सचिव उत्तर प्रदेश साइंस रायटर्स एसोसिएशन (**ISWA**) (गोरखपुर)

अजब तेरी दुनिया गज़ब कायदे हैं
हैं खाली शिवालय, भरे मयकदे हैं।।

यहां प्रेम करना है घाटे का सौदा
मगर नफरतों के बड़े फायदे हैं।।

न अश्कों की कीमत,न ग़म से है मतलब,
दिलासा में बस वायदे वायदे हैं।।

न बेरोजगारी न गुरबत की चर्चा
धरम जाति में बांट मक़सद सधे हैं।।

बड़ी घोषणाएं सभी योजनाएं
लहाएं, जो रिश्वत के धागे बंधे हैं।।

मयस्सर नहीं घास घोड़ों की खातिर,
च्यवनप्राश पाते यहां बस गधे हैं।।

निकल जाये हाथी मगर पूंछ अटके,
अदालत अनाचार दावे लदे हैं।।

हरि नाथ शुक्ल हरि सुल्तानपुर 🙏🌹

मोह
मोहताज
बनाता है,
और
ईश्वरीय प्रेम
सिरताज
ब्रह्माकुमारीज़

माउंट आबू (राजस्थान) का नक्की झील एवं पांडव भवन ....

देश में राजस्थान एक मनमोहक पर्यटक केंद्र रहा है. एक से पुराने रजवाड़े किले एवं अन्य मनमोहक स्थान मौजूद हैइन्हीं में से एक है- माउंट आबू (राजस्थान), पर्यटन के लिए केंद्र है। यहाँ एक मनमोहक नजारा देखने को मिलता है. अगर आप ब्रह्मकुमारी में तो यह नजारा और भी अच्छा हो जाता है. इसी क्रम में महाभारत (**Mahabharat Period**) के ऐतिहासिक काल क्रम से जुड़ा नक्की झील एवं पांडव भवन आदि प्रमुख है। नक्की झील का दृश्य (जो कीवदंतियों के अनुसार देवता या ऋषियों द्वारा बनाई गई थी) तो और भी शानदार है। पूरे राज्य को हमें चौथी बार पूर्व वर्षों में आयोजित राष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेंस के शोध पत्र प्रस्तुतीकरण के कारण (जो ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा किया गया था) अपने मीडिया-मित्रो के साथ एक टूर के दौरान देखने एवं कई जगहों को भी घूमने का अवसर मिला। इस अवसर पर मीडिया के अन्य लोगों के साथ घूमने का मौका लगा. ससम्मान.

-संजय वर्मा (स्वतंत्र पत्रकार-सामान्य विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद) (गोरखपुर)...

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक
पूजा प्रसाद पाण्डेय
मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।

सोच अच्छी ख़बर सच्ची